RAJASTHAN पब्लिक सर्विस कमिशन, AJMER

कॉलेज शिक्षा विभाग के लिए इतिहास में सहायक प्रोफेसर के पद के लिए प्रतियोगी परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम

पेपर - I

UNIT-A

प्राचीन भारत:

1. प्राचीन भारत का पुनर्निर्माण: साहित्यिक और पुरातात्विक स्रोत।
2. भारत का पूर्व और इतिहास

   (ए) नियोलिथिक के लिए पैलियोलिथिक- चालकोलिथिक संक्रमण - प्रमुख साइटें, उपकरण और संस्कृति।
   (b) सरस्वती-सिंधु नदी - घाटी सभ्यता (हड़प्पा सभ्यता) - उत्पत्ति और विस्तार, प्रमुख स्थल और बसावट पैटर्न, व्यापार और शिल्प, धार्मिक प्रथाएं, बाद में हड़प्पा चरण का महत्व और महत्व।
3. वैदिक युग- वैदिक वांग्मय, ऋग वैदिक काल से परवर्ती वैदिक काल तक परिवर्तन; राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक जीवन; धर्म, अनुष्ठान और दर्शन। वैदिक युग का महत्व।
4. राज्य गठन और महाजनपदों का उदय: गणतंत्र और राजतंत्र; शहरी केंद्रों का उदय; आर्थिक विकास- शिल्प, गिल्ड, धन और व्यापार; जैन धर्म, बौद्ध और अजिवक संप्रदायों का उद्भव; मगध का उदय। सिकंदर का आक्रमण और भारत पर उसका प्रभाव।
5. मौर्य साम्राज्य- मौर्य साम्राज्य की नींव, चंद्रगुप्त, बिन्दुसार और अशोक की राजनीतिक उपलब्धियाँ; अशोक और उनके धम्म, अशोकन एजिस; राजनीति, प्रशासन और अर्थव्यवस्था; कला और वास्तुकला।
6. मौर्य काल के बाद: शुंग और कण्व; बाहरी दुनिया-इंडो-ग्रीक, शक, कुषाण, पश्चिमी क्षत्रपों के साथ संपर्क; शहरी केंद्रों की वृद्धि, व्यापार और अर्थव्यवस्था, धार्मिक संप्रदायों का विकास: वैष्णव, शैव, महायान; कला, वास्तुकला और साहित्य।
7. दक्कन और दक्षिण भारत में प्रारंभिक राज्य और समाज: मेगालिथिक काल, सातवाहन, संगम युग के तमिल राज्य; प्रशासन, अर्थव्यवस्था, संगम साहित्य और संस्कृति; कला और वास्तुकला।
8. इंपीरियल गुप्त-राजनीतिक इतिहास, राजनीति, समाज, अर्थव्यवस्था, व्यापार और वाणिज्य, साहित्य और कला।
9. गुप्त काल के बाद की अर्थव्यवस्था- व्यापार और वाणिज्य, बैंकिंग और मुद्रा।
10. हर्षवर्धन- विजय, राजव्यवस्था, धर्म, कला और साहित्य।
11. क्षेत्रीय राज्यों का उदय- चालुक्य, पल्लव, चोल, राष्ट्रकूट, प्रतिहार और पलास।
12. भारत का बाहरी विश्व के साथ संपर्क- पश्चिम एशिया, मध्य एशिया और पूर्व-एशिया।
13. पूर्व-मध्यकालीन भारत (700A.D. से 1200A.D) - समाज और अर्थव्यवस्था, सामंतवाद और सामाजिक-राजनीतिक जीवन, क्षेत्रीय सांस्कृतिक पहचान का विकास और क्षेत्रीय राजनीतिक शक्तियों पर इसका प्रभाव । अवधि के दौरान दर्शन और धर्म का विकास।
14. प्राचीन भारत में विविध कला, साहित्य और संस्कृति का विकास - वास्तुकला, मूर्तिकला, संगीत, शास्त्रीय भाषाओं का साहित्य, शिक्षा का विकास,
    दर्शन, विज्ञान और तकनीक।

UNIT-B

मध्यकालीन भारतीय इतिहास

1. मध्यकालीन भारतीय इतिहास का स्रोत: पुरातात्विक और साहित्यिक।
2. दिल्ली सल्तनत का फाउन्डेशन एंड कंसॉलिडेशन 1206 से 1290 ई .।
3. खिलजी और तुगलक काल के दौरान सल्तनत का क्षेत्रीय विस्तार।
4. प्रांतीय राजवंशों का उदय विज्ञानगर, बहमनी और जौनपुर- राजव्यवस्था और सांस्कृतिक योगदान।

5. सैय्यद और लोदी; सल्तनत का विघटन। सल्तनत की राजनीति।
6. सल्तनत काल (13 वीं शताब्दी से 15 वीं शताब्दी के अंत तक) के दौरान समाज, संस्कृति और अर्थव्यवस्था -
   (ए) ग्रामीण समाज, शासक वर्ग, शहरवासी, महिला, धार्मिक सल्तनत, भक्ति आंदोलन, सूफी आंदोलन के तहत वर्ग, जाति और गुलामी।
   (b) फारसी साहित्य, उत्तर भारत की क्षेत्रीय भाषाओं में साहित्य, सल्तनत वास्तुकला और प्रांतीय संस्करण, संगीत और चित्रों का विकास, मध्यकालीन भारत में एक समग्र संस्कृति, सांस्कृतिक संश्लेषण का विकास ।
   (c) अर्थव्यवस्था: कृषि उत्पादन, शहरी अर्थव्यवस्था का उदय और गैर-कृषि उत्पादन, व्यापार और वाणिज्य। सल्तनत काल के दौरान प्रौद्योगिकी और शिल्प।
7. मुगल साम्राज्य, प्रथम चरण: बाबर, हुमायूँ, सूर साम्राज्य: शेरशाह का प्रशासन।
8. पुर्तगाली औपनिवेशिक उद्यम।
9. प्रादेशिक विस्तार अकबर, जहाँगीर, शाहजहाँ और भारतीय शक्तियों का प्रतिरोध।

10. औरंगज़ेब और 18 वीं शताब्दी में मुगल साम्राज्य और उभरती क्षेत्रीय शक्तियों का पतन ।
11. सहयोग की अवधि और संघर्ष 1556-1707।
12. की नीतियां मुगलों-दक्खन, धार्मिक, राजपूतों और उत्तर-पश्चिम सीमांत नीतियों।
13. प्रशासनिक व्यवस्था- केंद्रीय, प्रांतीय और राजस्व प्रशासन, मानसबाड़ी और जागीरदारी प्रणाली।
14. कला और संस्कृति- वास्तुकला, चित्रकारी, संगीत और साहित्य
15. आर्थिक जीवन- कृषि, उद्योग, व्यापार और वाणिज्य, बैंकिंग और मुद्रा प्रणाली।
16. मराठों का उदय- शिवाजी- विजय, नागरिक और सैन्य प्रशासन, चौथ और सरदेशमुखी की प्रकृति, हिंदू पद्पशाही की अवधारणा।
17. पेशवा-मराठा परिसंघ के अधीन मराठा शक्ति का विस्तार, पेशवाओं के अधीन नागरिक और सैन्य प्रशासन, पानीपत -1761 की तीसरी लड़ाई ।
18. समाज और संस्कृति बाद के मध्यकालीन भारत में-
   a) समाज की संरचना, भक्ति आंदोलन और सूफी आंदोलन।
   b) फारसी, संस्कृत और क्षेत्रीय भाषाओं की साहित्यिक परंपरा। मुगल और सूर वास्तुकला, वास्तुकला के क्षेत्रीय रूप। संगीत और चित्रों मुगल काल के दौरान

ग) अर्थव्यवस्था: कृषि उत्पादन, शहरी अर्थव्यवस्था का उदय और गैर-कृषि उत्पादन, व्यापार और वाणिज्य, प्रौद्योगिकी और शिल्प, शिक्षा, विज्ञान और तकनीक।

UNIT-C

इतिहास और ऐतिहासिकता का दर्शन

(ए) इतिहास का दर्शन

इतिहास का विश्लेषणात्मक और सट्टा दर्शन। इतिहास का
विश्लेषणात्मक दर्शन:
ऐतिहासिक साक्ष्य, तथ्य और तथ्य की प्रकृति; सबूत और इतिहास के स्रोत: साहित्यिक- प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक और पुरातात्विक स्रोत।
ऐतिहासिक व्याख्या।
सामान्य-कानून मॉडल; ऐतिहासिक निष्पक्षता; कारण
आदर्शवादी परंपरा:
दल्थे-क्रो-कोलिंगवुड
उत्तर आधुनिक 'इतिहास का अंत' - उत्तर आधुनिक चुनौती।
इतिहास की अटकलबाजी दर्शन।
इतिहास के विभिन्न सट्टा दार्शनिकों का संक्षिप्त सर्वेक्षण।

हेरेडोटस, रेंक, इब्न खारदुम, कन्फ्यूशियस, बरनी, अबुल फजल, विको, हेरडर, हेगेल, मार्क्स, स्पेंगलर और टॉयबी; फुकुयामा, आरसी मजूमदार, जेएनएसकर, कोसांबी और केएम अशरफ।

(ख) ऐतिहासिकता

इतिहासलेखन की विभिन्न परंपराओं का एक संक्षिप्त सर्वेक्षण: भारतीय (प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक); चीनी, ग्रेको-रोमन, जूदेव-ईसाई, रैंक और वैज्ञानिक इतिहास, मार्क्सवादी, औपनिवेशिक, राष्ट्रवादी, कैम्ब्रिज, सबाल्टर्न और उत्तर आधुनिक।

* * * * *

नोट : **प्रश्न पत्र का पैटर्न**

1. **ऑब्जेक्टिव टाइप पेपर**
2. **अधिकतम अंक: 75**
3. **प्रश्नों की संख्या: 150**
4. **कागज की अवधि: तीन घंटे**
5. **सभी प्रश्न समान अंकों के होते हैं।**
6. **नेगेटिव मार्किंग होगी।**
7. **प्रतियोगी परीक्षा का माध्यम: अंग्रेजी और हिंदी में द्विभाषी।**